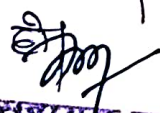


03.01.25

पञ्जावली पेशा दुर्ब/ प्रार्थी एवं विपार्थी वकील
 उपस्थित/ विपार्थी का जवाब बन्द किया जाता है/
 मैंने विद्वान अधिवक्ता प्रार्थी एवं विपार्थी की बहल
 सुनी एवं बहल पर मनन किया तथा पञ्जावली के
 लक्षण दस्तावेजों का अध्ययन किया/ कैसा/
 सूची प्रार्थी विवक्षित आराजी का जारी कर कावतका
 है तथा उक्त आराजी में आज प्राथमिक डिक्री जारी हो
 चुकी है लिहाजा वाद अंतिम डिक्री होना तम है/
 अतः प्रथम दुष्टमा मामला सुविधा का संतुलन को
 अप्रयोग्य हारी को बिन्दु प्रार्थी के पक्ष में बखूबी
 स्थापित होने से मूल वाद के निस्तारण तक
 अल्थाई ज्वाइर इस आशय का जारी किया
 जाता है कि ^{यूएन} नौजा, किरागीधाली के सुलरा (2001)
 316/5.4147 है, 285/0.4371 है, 264/3.6503 है,
 280/0.1619 है, 281/0.486 है, 282/0.6637 है,
 311/0.2185 है, 312/0.0081 है, 313/0.0081 है,
 314/0.9389 है, 315/0.0809 है, आराजी के नौके
 एवं राजस्व रेकॉर्ड को सम्पादित करते बनाए रखी
 पञ्जावली केवल सुमार होकर नम्बर से कम

आमि
 03.01.25
 10/10/16


 सहायक कलक्टर
 SDO धोरीमना

